

चल श्याम शरण में | By Sardar Romi

क्यों घबराता है पल पल मन बावरे
चल श्याम शरण में मिलेगी सुख की छाँव रे
जीवन की राह में थक गए हो तेरे पाँव रे
ओ बावरे.....ओ बावरे

जो शरण श्याम की लेले वो फिर क्यों संकट झेले
जो श्याम भरोसे रहकर जीवन की बाज़ी खेले
जीत जायेगा हर एक हारा दाव रे
ओ बावरे.....ओ बावरे

जो भी इस दुनिया में है श्री श्याम भरोसे चलता
परिवार सदा ही जिसका बाबा की कृपा से पलता
कभी न रहता खुशियों का अभाव रे
ओ बावरे.....ओ बावरे

ये सारे जग का दाता है सबका भाग्य विधाता
प्रेमी के हर आंसू का सावरिया मोल चुकाता
हर प्रेमी के संग है इसको लगाव रे
ओ बावरे.....ओ बावरे

सुख दुःख हंस हंस कर सहना पर दूर न प्रभु से रहना
ये तेरे संग रहेगा मानो रोमी का कहना
इसको प्यारा है भक्त भजन और भाव रे
ओ बावरे.....ओ बावरे

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9a%e0%a4%b2-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%b6%e0%a4%b0%e0%a4%a3-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-by-sardar-romi/>